

परीक्षा (Sanskrit) - 2018

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या-24

No. of pages in Booklet -24

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या-150

No. of Questions in Booklet -150

Subject Code - 02

विषय/ SUBJECT : Sanskrit

LS-91

PAPER-II

4044825

Question Paper Booklet No.
प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या

समय : 3.00 घण्टे

Time: 3.00 Hours

परीक्षा दिनांक - 04.01.2020

अधिकतम अंक : 300

Maximum Marks: 300

प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के पेपर सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है। इसमें कोई भिन्नता हो तो वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। ऐसा न करने पर जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी।

The candidate should ensure that Question Paper Booklet No. of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same after opening the Paper Seal/ polythene bag. In case they are different, a candidate must obtain another Question Paper from the Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
- प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
- एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
- प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर पत्रक पर नीले बॉल प्वाइंट पेन से गहरा करना है।
- OMR उत्तर पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के साथ रखा है। जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल प्वाइंट पेन से विवरण भरें। OMR उत्तर पत्रक पर प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या ध्यानपूर्वक भरें।
- प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा। (गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है। किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा।)
- मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
- कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर 5 अंक कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं।
- यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।

चेतावनी: अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनाधिकृत सामग्री पाई जाती है, उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

- Answer all questions.
- All questions carry equal marks.
- Only one answer is to be given for each question.
- If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
- Each question has four alternative responses marked serially as 1, 2, 3, 4. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.
- The OMR Answer Sheet is kept with this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with blue ball point pen only. Please fill the Question Paper Booklet no. on the OMR Answer Sheet carefully.
- 1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer. (A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.)
- Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable materials with him/her will be strictly dealt as per rules.
- Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. 5 Marks can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.
- If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।

Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.

Adda247

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION



80,000+
Mock Tests



**Personalised
Report Card**



**Unlimited
Re-Attempt**



600+
Exam Covered



20,000+ Previous
Year Papers



500%
Refund



ATTEMPT FREE MOCK NOW

1. लोप संज्ञा सूत्रं विद्यते –

- (1) अदर्शनं लोपः
- (2) तस्य लोपः
- (3) हलन्त्यम्
- (4) तुल्यास्यप्रयत्नं सवर्णम्

2. "परः सन्निकर्षः....." किम्?

- (1) संयोगः
- (2) प्रयत्नः
- (3) संहिता
- (4) वियोगः

3. ऋटुरषाणाम् उच्चारणस्थानं किम्?

- (1) कण्ठः
- (2) मूर्धा
- (3) तालुः
- (4) दन्तोष्ठः

4. उच्चारणयत्नः कतिविधोऽस्ति?

- (1) पञ्चधा
- (2) त्रयोविधः
- (3) षड्विधः
- (4) द्विधा

5. सुबन्तस्य तिङन्तस्य च संज्ञा भवति –

- (1) पदम्
- (2) सम्मेलनम्
- (3) स्वरित्
- (4) विवृत्तम्

6. "शुभा + उक्तिः" इत्यस्य सन्धिपदमस्ति –

- (1) शुभावक्तिः
- (2) शुभौक्तिः
- (3) शुभोक्तिः
- (4) शुभावक्तिः

7. " 'द्वावपि' इत्यत्र सन्धिरस्ति....." रिक्त स्थाने सन्धिर्नाम स्यात् -
- (1) गुण सन्धिः
 - (2) अयादि सन्धिः
 - (3) यण् सन्धिः
 - (4) वृद्धिः सन्धिः
8. जगत् - शब्दस्य प्रथमा - बहुवचने रूपमस्ति -
- (1) जगन्ति
 - (2) जगती
 - (3) जगतः
 - (4) जगन्ती
9. ज्ञा - धातोः लटि - उत्तमपुरुष - बहुवचने रूपमस्ति -
- (1) जानीमः
 - (2) जानामः
 - (3) ज्ञास्यामि
 - (4) ज्ञास्यामः
10. "एङि पररूपम्" इति सूत्रस्योचितम् उदाहरणमस्ति -
- (1) उपोषति
 - (2) श्रावकः
 - (3) प्राच्छति
 - (4) प्रार्णम्
11. "स्तोः श्चुना श्चुः" इति सूत्रेण शब्दसिद्धिरस्ति -
- (1) दुस्साहसम्
 - (2) दुश्शासनम्
 - (3) निस्छलम्
 - (4) निस्तब्धः
12. "तत् + टंकणम्" इत्यत्र सन्धिरूपं स्यात् -
- (1) तदंकणम्
 - (2) तदटंकणम्
 - (3) तत्तंकणम्
 - (4) तट्टंकणम्

13. "झलां जशोऽन्ते" इति सूत्रस्य समीचीनमुदाहरणम् अस्ति -

- (1) वाकीशः
- (2) आबन्तः
- (3) उत्थानम्
- (4) चिन्मयः

14. "वाग्घरिः" इति कृते उचितं सूत्रमस्ति -

- (1) झलां झश् जशि
- (2) नश्चापदान्तस्य झलि
- (3) झयो होऽन्यतरस्याम्
- (4) वा पदान्तस्य

15. "ङमो ह्रस्वादचि ङमुणित्यम्" इति सूत्रेण किं कार्यं भवति -

- (1) ङमुटुण् आगमः
- (2) अजागमः
- (3) ङमुडागमः
- (4) ह्रस्वागमः

16. ण्वुल् - तृचौ प्रत्ययौ कस्मिन्नर्थे भवतः?

- (1) कर्त्रर्थे
- (2) क्रियार्थे
- (3) कर्मार्थे
- (4) करणार्थे

17. "शिवर् + वन्द्यः" इत्यत्र रकारं केन सूत्रेण उकारं स्यात् -

- (1) अतो रोऽप्लुतादप्लुते
- (2) ससजुषो रुः
- (3) हशि च
- (4) वा शरि

18. "रो रि" इति सूत्रेण किं कार्यं भवति -

- (1) रेफस्य रेफे परे लोपः
- (2) पूर्वस्य रेफस्य दीर्घः स्यात्
- (3) रेफात् रेफस्य लकारं स्यात्
- (4) न किमपि

19. कौ सत्संज्ञौ भवतः?
- (1) क्त – क्तवतू
 - (2) ण्वुल् – तृचौ
 - (3) शतृ – शानचौ
 - (4) क्त्वा – ल्यप् च
20. 'ददानः' इत्यत्र कः प्रत्ययः?
- (1) शानच्
 - (2) शतृ
 - (3) ल्युट्
 - (4) मतुप्
21. "तवास्मि गीतरागेण हारिणा प्रसभं हृतः।
एष राजेव दुष्यन्तः सारङ्गेणातिरं हसः॥"
उपर्युक्ते पद्ये छन्दः स्यात् –
- (1) आर्या
 - (2) अनुष्टुप्
 - (3) वंशस्य
 - (4) भुजंगप्रयातम्
22. "स्याद्..... यदि तौ जगौ गः" इत्यत्र रिक्तस्थाने किं स्यात् –
- (1) उपेन्द्रवज्रा
 - (2) इन्द्रवज्रा
 - (3) उपजाति
 - (4) मन्दाक्रान्ता
23. मन्दाक्रान्ताछन्दसि यतिव्यवस्था स्यात् –
- (1) 4, 6, 7
 - (2) 4, 7, 6
 - (3) 5, 7, 5
 - (4) 4, 7, 7
24. "रसैः रुद्रैश्छिन्ना.....शिखरिणी" रिक्तस्थानपूरणं कुरुत –
- (1) सजौ सततगाः
 - (2) त्रिमुनियतियुता
 - (3) नयुगरेफतो
 - (4) यमनसभलागः

25. चतुर्भिर्गणैः कस्य छन्दसः निर्मितिर्भवति?

- (1) शालिनी
- (2) भुजङ्गप्रयातम्
- (3) स्रग्धरा
- (4) उपजाति

26. "वन्दे तां रसभारतीं सुरनुतां श्रीराजराजेश्वरीम्" चरणेऽस्मिन् कतमं छन्दः वर्तते?

- (1) वियोगिनी
- (2) द्रुतविलम्बितम्
- (3) शार्दूलविक्रीडितम्
- (4) रथोद्धता

27. द्वादशवर्णात्मकं नभौ भरो इति गणव्यवस्थात्मकं छन्दः स्यात् -

- (1) द्रुतविलम्बितम्
- (2) वंशस्थम्
- (3) भुजङ्गप्रयातम्
- (4) न किमपि

28. "मार्गे पदानि.....ते विषमीभवन्ति" इत्यत्र निश्चयात्मकेनाव्ययेन वाक्यपूरणं कुरुत -

- (1) किल
- (2) चिरम्
- (3) ततः
- (4) खलु

29. "विघ्नैः.....अपि प्रतिहन्यमानाः प्रारब्धमुत्तमगुणा न परित्यजन्ति" समुचिताव्ययेन रिक्तस्थानं पूरयत -

- (1) सहसा - सहसा
- (2) विना - विना
- (3) पुनः पुनः
- (4) चिरं - चिरम्

30. ".....कन्था,.....पन्था,.....पर्वतलङ्घनम्।

.....विद्या,.....वित्तं पञ्चैतानि.....॥"

उपर्युक्ते पद्ये एकैव अव्ययेन सर्वाणि रिक्तस्थानि पूरणीयानि -

- (1) शनैः
- (2) उच्चैः
- (3) सायम्
- (4) सहसा

31. "प्रधानमन्त्री महोदया:.....अत्रागमिष्यति" इत्यत्र उचितेनाव्ययेन वाक्यपूर्तिं कुरुत –

- (1) ह्यः
- (2) श्वः
- (3) सह
- (4) विना

32. '.....वैषम्यं लोकव्यवहारस्य' इत्यत्र रिक्तस्थानं पूरयन्तु –

- (1) पुनः
- (2) धिक्
- (3) ते
- (4) मिथ्या

33. कस्मिन् छन्दसि यगणद्वयं विद्यते –

- (1) स्रग्धरा
- (2) मालिनी
- (3) भुजङ्गप्रयातम्
- (4) वसन्ततिलका

34. एषु अव्ययपदमस्ति –

- (1) ते
- (2) वाक्
- (3) चेतः
- (4) तूष्णीम्

35. 'हरि' शब्दस्य षष्ठी बहुवचनमस्ति –

- (1) हरीनाम्
- (2) हरिणाम्
- (3) हरीणाम्
- (4) हरिण्याम्

36. "सख्युः" इति शब्दरूपमस्ति –

- (1) तृतीया/द्वितीय – एकवचनम्
- (2) पञ्चमी/षष्ठी – एकवचनम्
- (3) चतुर्थी/पञ्चमी – एकवचनम्
- (4) षष्ठी/सप्तमी – एकवचनम्

37. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

- | | |
|-------------|---------------------------------|
| (a) पित्रोः | (I) तृतीया – एकवचनम् |
| (b) भूभृता | (II) द्वितीया – द्विवचनम् |
| (c) गुरु | (III) प्रथमा – बहुवचनम् |
| (d) महान्तः | (IV) षष्ठी – सप्तमी – द्विवचनम् |

(1) (a)-(IV), (b)-(I), (c)-(II), (d)-(III)

(2) (a)-(II), (b)-(IV), (c)-(I), (d)-(III)

(3) (a)-(IV), (b)-(I), (c)-(III), (d)-(II)

(4) (a)-(I), (b)-(II), (c)-(III), (d)-(IV)

38. 'धेनु' शब्दस्य पञ्चमी एकवचनवैकल्पिकरूपे स्तः –

- (1) धेनौ/धेन्यै
- (2) धेन्वा/धनवः
- (3) धनुः/धेनोः
- (4) धेन्वाः/धेनोः

39. अस्मद् शब्दस्य (सर्वनाम्नः) "मह्यम्/मे" इति रूपे स्तः –

- (1) चतुर्थी – एकवचनम्
- (2) पञ्चमी – बहुवचनम्
- (3) सप्तमी – एकवचनम्
- (4) तृतीया – एकवचनम्

40. 'वधु' शब्दस्य प्रथमा – एकवचनम्/द्वितीया – बहुवचनम् रूपम् –

- (1) वधुः
- (2) वधूः
- (3) वध्वः
- (4) वधून्

41. 'सर्व' इति सर्वनाम्नः पञ्चमी – एकवचनरूपम् अस्ति –

- (1) सर्वात्
- (2) सर्वस्मात्
- (3) सर्वस्मै
- (4) सर्वेषु

42. 'इदम्' इति सर्वनाम्नः स्त्रीलिङ्गे चतुर्थी – पञ्चमी – बहुवचनरूपमस्ति –

- (1) आभ्यः
- (2) आभ्यम्
- (3) आसाम्
- (4) आभिः

43. 'पा' धातोः विधिलिङ्लकारे मध्यमपुरुषस्य द्विवचनरूपमस्ति –
- (1) पिबतम्
 - (2) पिबावः
 - (3) अपिबतम्
 - (4) पिबेतम्
44. 'अस्' धातोः लृटि उत्तमपुरुषे बहुवचनरूपमस्ति –
- (1) असिष्यामः
 - (2) भविष्यामः
 - (3) आस्मः
 - (4) भविष्याम्
45. 'अघ्नन्' इति धातुरूपे मूलधातुरस्ति –
- (1) घन्
 - (2) अघ्
 - (3) हन्
 - (4) अन्
46. 'मुद्' धातोः विधिलिङि मध्यमपुरुषे बहुवचनरूपमस्ति –
- (1) मोदेध्वम्
 - (2) मोदध्वम्
 - (3) मोदध्वे
 - (4) मुमुदिध्वे
47. "अलभथाः" इति शब्दरूपमस्ति –
- (1) लटि – प्रथमपुरुषे – एकवचनम्
 - (2) लोटि – मध्यमपुरुषे – एकवचनम्
 - (3) लृटि – उत्तमपुरुषे – एकवचनम्
 - (4) लङि – मध्यमपुरुषे – एकवचनम्
48. कृ धातोः आत्मनेपदे लोटि उत्तमपुरुषैकवचनमस्ति –
- (1) कुरवै
 - (2) कुर्वे
 - (3) कुर्वीत
 - (4) कुरुषे
49. अधोऽङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –
- | | |
|---------------|--------------|
| (a) दुग्धवान् | (I) ल्यप् |
| (b) संपद्य | (II) तुमुन् |
| (c) भोक्तुम् | (III) ल्युट् |
| (d) लभनम् | (IV) क्तवतु |
- (1) (a)-(I), (b)-(IV), (c)-(III), (d)-(II)
 - (2) (a)-(II), (b)-(III), (c)-(I), (d)-(IV)
 - (3) (a)-(IV), (b)-(I), (c)-(II), (d)-(III)
 - (4) (a)-(III), (b)-(II), (c)-(I), (d)-(IV)

50. 'वस्' धातोः क्त प्रत्ययेन रूपं भवति –
 (1) उसितः
 (2) वसितः
 (3) उषितः
 (4) वसतः
51. "चयनीयः" इति शब्दे 'चिज्' धातोः कस्य प्रत्ययस्य विधानमस्ति?
 (1) अच्
 (2) अनीयर्
 (3) घञ्
 (4) यत्
52. 'भज्' धातोः क्तिन् प्रत्यये कृते रूपं भवति –
 (1) भजितः
 (2) भातिः
 (3) भक्तिः
 (4) भान्ति
53. 'उष्णभोजी' इति रूपे उष्णयूर्वकस्य भुज् धातोः कस्य प्रत्ययस्य विधानं स्यात्?
 (1) णिनि – प्रत्ययस्य
 (2) ईन् – प्रत्ययस्य
 (3) इन् – प्रत्ययस्य
 (4) न कस्यापि
54. "लघिमा" इति रूपे लघु – शब्दात् कस्य प्रत्ययस्य विधानमस्ति?
 (1) आङ् – प्रत्ययस्य
 (2) इमनिच् – प्रत्ययस्य
 (3) णिनि – प्रत्ययस्य
 (4) माङ् – प्रत्ययस्य
55. 'गरुत् + मतुप्' इति कृते कस्य शब्दस्य सिद्धिर्भवति?
 (1) गुरुत्मुत्
 (2) गरुत्मात्
 (3) गरुत्मानः
 (4) गरुत्मान्
56. "दिशि मन्दायते तेजो दक्षिणस्यां रवेरपि ।
 तस्यामेव रघोः पाण्ड्याः प्रतापं न विषेहिरे ।।"
 अत्र कोऽलंकारः?
 (1) अतिशयोक्तिः
 (2) व्यतिरेकः
 (3) अर्थान्तरन्यासः
 (4) वक्रोक्तिः
57. "तदेषा भवतः कान्ता, त्यज वैनां गृहाण वा ।
 उपपन्ना हि दारेषु, प्रभुता सर्वतोमुखी ।।"
 श्लोकेस्मिन् कोऽलंकारः?
 (1) अर्थान्तरन्यासः
 (2) श्लेषः
 (3) विशेषोक्तिः
 (4) तुल्ययोगिता

58. 'नवपलाशपलाशवनं पुरः स्फुटपरागपरागतपङ्कजम्' इत्यत्र कोऽलङ्कारः?
- पुनरुक्तवदाभासः
 - यमकम्
 - श्लेषः
 - विरोधः
59. "प्रस्फुटं सुन्दरं साम्यं" कस्मिन् अलङ्कारे भवति?
- सन्देहे
 - दृष्टान्ते
 - व्यतिरेके
 - उपमायाम्
60. "साम्यादतस्मिंस्तदबुद्धिः.....प्रतिभोत्थितः" इति रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत -
- भ्रान्तिमान्
 - सन्देहः
 - व्यतिरेकः
 - तुल्ययोगिता
61. निषेधरहिते उपमेये यत्र उपमानस्य अभेदारोपो भवति तत्र अलङ्कारोऽस्ति -
- भ्रान्तिमान्
 - उत्प्रेक्षा
 - रूपकम्
 - दृष्टान्तः
62. अव्ययीभाव समासे प्रायेण कस्य पदस्य प्राधान्यम्?
- उत्तरपदार्थस्य
 - पूर्वपदार्थस्य
 - अन्यपदार्थस्य
 - न कस्याऽपि
63. समानाधिकरणः तत्पुरुषः किं व्यपदिश्यते?
- द्विगुः
 - नञ्
 - द्वन्द्वः
 - कर्मधारयः
64. "अनेकमन्यपदार्थः" इति सूत्रेण समासो भवति -
- तत्पुरुषः
 - कर्मधारयः
 - द्विगुः
 - बहुव्रीहिः
65. "कृष्णाश्रितः" इत्यत्र समासः स्यात् -
- कर्मधारयः
 - तत्पुरुषः
 - द्विगुः
 - बहुव्रीहिः

66. "शक्तिम् अनतिक्रम्य" इत्यस्य विग्रहस्य समस्तपदं स्यात् -
 (1) यथाशक्ति
 (2) शक्त्यातिक्रमः
 (3) शक्तिं पराक्रमः
 (4) उपर्युक्ताः सर्वे
67. "हस्त्यश्वम्" इत्यस्य विग्रहोऽस्ति -
 (1) हस्तिनां च अश्वस्य च
 (2) हस्तिनः अश्वानां यस्य सः
 (3) हस्ति च अश्व च
 (4) हस्तिनश्च अश्वश्च एतेषां समाहारः
68. "दम्पती पुत्रम् अभाषत्।" इति वाक्यं शुद्धं करणीयम् -
 (1) दम्पती पुत्रम् अभाषेताम्।
 (2) दम्पती पुत्रम् अभाषति।
 (3) दम्पती पुत्रम् अभाषेताम्।
 (4) दम्पति पुत्रं भाषति।
69. "विद्यालय के चारों ओर बगीचा है।" वाक्यस्य संस्कृतानुवादः करणीयः -
 (1) विद्यालयं परितः उद्यानम् अस्ति।
 (2) विद्यालयस्य परितः उद्यानम् अस्ति।
 (3) विद्यालयात् परितः उद्यानाः अस्ति।
 (4) विद्यालयात् परितः उद्यानानि अस्ति।
70. "भगवद्गीता में कर्मसिद्धान्त का प्रतिपादन किया गया है।" - संस्कृतानुवादः करणीयः -
 (1) भगवद्गीतां कर्मसिद्धान्तस्य प्रतिपादनीयम्।
 (2) भगवद्गीतायां कर्मसिद्धान्तस्य प्रतिपादनं कृतमस्ति।
 (3) भगवद्गीतां कर्मसिद्धान्ताय प्रतिपादनीयम्।
 (4) भगवद्गीता कर्मसिद्धान्तस्य प्रतिपादने करोति।
71. एतेषु शुद्धं वाक्यं किम् -
 (1) वामनः बलिं वसुधां याचते।
 (2) वामनः बलेः वसुधा याचति।
 (3) वामनः बलात् वसुधा याचते।
 (4) वामनः बलिना वसुधा याचति।
72. 'सैनिक देश की रक्षा करते हैं।' इत्यस्य शुद्धसंस्कृतानुवादोऽस्ति -
 (1) सैनिकाः देशं रक्षन्ति।
 (2) सैनिकाः देशस्य रक्षन्ति।
 (3) सैनिकः देशस्य रक्षन्ति।
 (4) सैनिकः देशे रक्षन्ति।
73. 'हम नेत्रों से देखते हैं।' इत्यस्य संस्कृतभाषायाम् अनुवादोऽस्ति -
 (1) वयं नेत्रेण पश्यामि।
 (2) अहं नेत्राभ्यां पश्यावः।
 (3) वयं नेत्राभ्यां पश्यामः।
 (4) वयं नेत्रैः पश्यावः।

74. 'पक्षी वृक्षों से उड़कर आकाश में जाते हैं।' इत्यस्य संस्कृतभाषायामनुवादोऽस्ति –
- (1) खगाः वृक्षात् उडित्वा आकाशे गच्छति।
 - (2) खगाः वृक्षैः उडयित्वा आकाशे गम्यन्ति।
 - (3) खगाः वृक्षेभ्यः उड्डीय आकाशं गच्छन्ति।
 - (4) खगः वृक्षात् उडित्वा आकाशे गच्छति।
75. किसलिए वह जाता है? इत्यस्य वाक्यस्य संस्कृतानुवादोऽस्ति –
- (1) कस्य हेतोः सः गच्छति?
 - (2) कः हेतुं सः गच्छसि?
 - (3) केन हेतवे सः गच्छति?
 - (4) कं हेतुं सः गच्छामि?
76. 'देवदत्त राम का सौ रुपये का ऋणी है।' इत्यस्य संस्कृतानुवादो भवति –
- (1) देवदत्तस्य रामः शतं धारयति।
 - (2) देवदत्तः रामस्य शतं धारयति।
 - (3) देवदत्तः रामाय शतं धारयति।
 - (4) देवदत्ताय रामं शतं धारयति।
77. "स्वप्नवासवदत्तम्" इति नाटकस्य नायकः कोऽस्ति?
- (1) भासः
 - (2) माधवः
 - (3) उदयनः
 - (4) यौगन्धनारायणः
78. शुकनासोपदेशः कस्मिन् काव्ये संनिविष्टोऽस्ति –
- (1) कठोपनिषदि
 - (2) नीतिशतके
 - (3) शतपथब्राह्मणे
 - (4) कादम्बरी कथा काव्ये
79. "अतिस्नेहः पापशंकी" इति सूक्तिः कुत्र उक्ता?
- (1) अभिज्ञानशाकुन्तले
 - (2) स्वप्नवासवदत्ते
 - (3) मृच्छकटिके
 - (4) उत्तररामचरिते
80. "अहो दुरन्ता बलवद्विरोधिता" इति सूक्तिः केनोक्ता –
- (1) शिवेन
 - (2) अर्जुनेन
 - (3) दुर्योधनेन
 - (4) वनेचरेण

81. "क्रोधाद्भवति सम्मोहः सम्मोहात्स्मृतिविभ्रमः ।
स्मृतिभ्रंशाद् बुद्धिनाशो बुद्धिनाशात् ।।"
रिक्तस्थानपूरणं करणीयम्—
(1) देहनाशः
(2) प्रणश्यति
(3) प्रभवति
(4) सम्भवति
82. "कथं भीष्ममहं सङ्ख्ये द्रोणञ्च मधुसूदन ।" इति केनोक्तम्?
(1) कृष्णेन
(2) सञ्जयेन
(3) अर्जुनेन
(4) व्यासेन
83. विंशतिः सर्गात्मकं महाकाव्यं विद्यते —
(1) कुमारसम्भवम्
(2) शिशुपालवधम्
(3) किरातार्जुनीयम्
(4) नैषधीयचरितम्
84. खलसज्जानानां मैत्री कीदृशी भवति?
(1) चन्द्रः इव
(2) छायेव
(3) सूर्यः इव
(4) लतेव
85. कस्य यौवराज्याभिषेकसमये शुकनासेन उपदेशः प्रदत्तः—
(1) तारापीडस्य
(2) बाणस्य
(3) चन्द्रापीडस्य
(4) न कस्यापि
86. "सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात् ।
स भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठद्..... ।।"
रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत—
(1) पञ्चाङ्गुलम्
(2) सप्ताङ्गुलम्
(3) नवाङ्गुलम्
(4) दशाङ्गुलम्
87. 'होतारं रत्नधातमम्' इति विशेषण द्वयमस्ति—
(1) विष्णोः
(2) अग्नेः
(3) वरुणस्य
(4) इन्द्रस्य

88. विष्णुसूक्तस्य (1.154) ऋषिः कोऽस्ति?
- (1) दीर्घतमा
 - (2) गृत्समदः
 - (3) वामदेव
 - (4) शुनः शेषः
89. शुनः शेषः कस्य सूक्तस्य ऋषिः?
- (1) पुरुषसूक्तस्य (10.90)
 - (2) वरुणसूक्तस्य (1.25)
 - (3) अग्निसूक्तस्य (1.1)
 - (4) विष्णुसूक्तस्य (1.154)
90. "ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद्बाहू राजन्यः कृतः....." इति रूपेण कः देवः स्तुतः?
- (1) पुरुषः
 - (2) इन्द्रः
 - (3) अग्निः
 - (4) विष्णुः
91. "..... वेदनामधेयम्" इति रिक्तस्थानपूरणं कुरुत—
- (1) सूक्तब्राह्मणयोः
 - (2) व्याख्यामन्त्रयोः
 - (3) वेदब्राह्मणयोः
 - (4) मन्त्रब्राह्मणयोः
92. एतेषु नाट्येषु भवभूतिविरचितं नास्ति—
- (1) उत्तररामचरितम्
 - (2) मालतीमाधवम्
 - (3) महावीरचरितम्
 - (4) अविमारकम्
93. भीष्मस्य पितुर्नाम किमासीत्?
- (1) विचीत्रवीर्यः
 - (2) भरतः
 - (3) देवव्रतः
 - (4) शान्तनुः
94. महाभारते कर्णस्योत्पत्तिः कस्य देवस्यांशेन वर्णिता?
- (1) धर्मस्य
 - (2) सूर्यस्य
 - (3) इन्द्रस्य
 - (4) शेषस्य

95. याज्ञवल्क्यस्मृत्यनुसारेण अन्नप्राशनसंस्कारः कस्मिन् मासे क्रियते—

- (1) पञ्चमे
- (2) चतुर्थे
- (3) षष्ठे
- (4) अष्टमे

96. रामायणं कस्मिन् छन्दसि निबद्धम्?

- (1) उपजातिछन्दसि
- (2) अनुष्टुप्छन्दसि
- (3) वंशस्थे
- (4) मालिनीछन्दसि

97. "अस्त्युत्तरस्यां दिशि देवतात्मा हिमालयो नाम नगाधिराजः ॥"

मंगलाचरणमिदं कस्य महाकाव्यस्यास्ति?

- (1) रघुवंशम्
- (2) किरातार्जुनीयम्
- (3) कुमारसम्भवम्
- (4) मेघदूतम्

98. बृहत्त्रय्यां कस्य काव्यस्य गणना नास्ति?

- (1) किरातार्जुनीयम्
- (2) रघुवंशम्
- (3) शिशुपालवधम्
- (4) नैषधीयचरितम्

99. यम-नचिकेतस्संवादः समुपनिबद्धोऽस्ति—

- (1) कठोपनिषदि
- (2) केनोपनिषदि
- (3) मुण्डकोपनिषदि
- (4) ईशोपनिषदि

100. पूर्वार्चिक-उत्तरार्चिकश्चेति भागद्वये विभक्तोऽस्ति—

- (1) सामवेदः
- (2) यजुर्वेदः
- (3) नाट्यवेदः
- (4) ऋग्वेदः

101. 'अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययाऽमृतमश्नुते' इति वचनमुपनिबद्धमस्ति—

- (1) केनोपनिषदि
- (2) कठोपनिषदि
- (3) ईशोपनिषदि
- (4) प्रश्नोपनिषदि

102. "दशकुमारचरितम्" कस्य रचना अस्ति?

- (1) बाणस्य
- (2) दण्डिनः
- (3) भारवेः
- (4) सुबन्धोः

103. 'मेघदूतम्' इति काव्यं कस्मिन् छन्दसि निबद्धम्?

- (1) शिखरिणी
- (2) मालिनी
- (3) उपजाति
- (4) मन्दाक्रान्ता

104. मृच्छकटिकस्य नायिका अस्ति—

- (1) वसन्तसेना
- (2) पत्रलेखा
- (3) मदनिका
- (4) उर्वशी

105. दमयन्तीस्वयंवरवर्णनं कस्मिन् महाकाव्ये वर्तते—

- (1) नैषधीयचरिते
- (2) कुमारसम्भवे
- (3) किरातार्जुनीये
- (4) शिशुपालवधे

106. भासस्य नाटकसंग्रहेषु "उरुभङ्ग— मध्यमव्यायोग—पञ्चरात्रम्" इति नाटकाणां कथास्रोतं किमस्ति?

- (1) रामायणम्
- (2) महाभारतम्
- (3) पुराणम्
- (4) संहितासाहित्यम्

107. "वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि।
लोकोत्तराणां चेतांसि को हि विज्ञातुमर्हसि।।"

इति पद्यं कस्मात् नाटकात् ग्रहीतम्—

- (1) अभिज्ञानशाकुन्तलात्
- (2) स्वप्नवासवदत्तात्
- (3) मृच्छकटिकात्
- (4) उत्तररामचरितात्

108. अधोङ्कितानां युग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत—

- | | |
|----------------------|----------------|
| (a) विक्रमोर्वशीयम् | (I) विशाखदत्तः |
| (b) मुद्राराक्षसम् | (II) भासः |
| (c) स्वप्नवासवदत्तम् | (III) शूद्रकः |
| (d) मृच्छकटिकम् | (IV) कालिदासः |

- (1) (a)-(II), (b)-(I), (c)-(IV), (d)-(III)
 (2) (a)-(IV), (b)-(II), (c)-(III), (d)-(I)
 (3) (a)-(II), (b)-(I), (c)-(III), (d)-(IV)
 (4) (a)-(IV), (b)-(I), (c)-(II), (d)-(III)

109. जगत्सर्वं कस्योच्छिष्टं कथितम्—

- (1) कालिदासस्य
 (2) भारवेः
 (3) वाल्मीकेः
 (4) बाणस्य

110. शिवराजविजयगद्यकाव्यस्य विभाजनमस्ति—

- (1) निःश्वासेषु
 (2) सर्गेषु
 (3) अङ्केषु
 (4) उच्छ्वासेषु

111. “..... लिंग-परिमाण-वचनमात्रे प्रथमा” इत्यत्र रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत—

- (1) तद्धितार्थ—
 (2) कृदन्तार्थ—
 (3) समासार्थ—
 (4) प्रातिपदिकार्थ—

112. “हरि भजति” इत्यत्र हरिशब्दस्य केन सूत्रेण कर्म संज्ञा स्यात्?

- (1) अकथितञ्च
 (2) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
 (3) कर्मणि द्वितीया
 (4) सम्बोधने च

113. “यवेभ्यो गां वारयति” इति पञ्चमी विभक्त्यर्थे।

“..... ईप्सितः” इति सूत्रस्य प्रवृत्तिर्भवति।

रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत—

- (1) वारणार्थानाम्
 (2) यवार्थानाम्
 (3) गोर्थानाम्
 (4) संयोगार्थानाम्

114. 'गोषु दुह्यमानासु गतः' इत्यत्र सप्तमीविभक्ति विधायकं सूत्रमस्ति—

- (1) सप्तम्यधिकरणे च
- (2) यतश्चनिर्धारणम्
- (3) यस्य च भावेन भावलक्षणम्
- (4) साध्वसाधुप्रयोगे च

115. 'षष्ठीचानादरे' इत्यनेन सूत्रेण विहितं विभक्ति द्वयमस्ति—

- (1) पञ्चमी षष्ठी च
- (2) षष्ठी सप्तमी च
- (3) षष्ठी द्वितीया च
- (4) षष्ठी चतुर्थी च

116. देवोत्पत्तिसिद्धान्तानुसारेण भाषा केन निर्मिता—

- (1) निर्णयेन
- (2) गीतेन
- (3) ईश्वरेण
- (4) भरतेन

117. "प्रतीयमानं पुनरन्यदेव वस्त्वस्ति वाणीषु महाकवीनाम्।

यत्रत् प्रसिद्धावयवातिरिक्तं विभाति.....।।"

रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत—

- (1) सौन्दर्यमिवाङ्गनासु
- (2) श्रृंगारमिवाङ्गनासु
- (3) लावण्यमिवाङ्गनासु
- (4) कारुण्यमिवाङ्गनासु

118. " स्याद्..... शब्दोऽत्र व्यञ्जकस्त्रिधा"

उपर्युक्तयोः रिक्तस्थानयोः पूर्तिं कुरुत—

- (1) वाच्यो—लक्ष्यश्च
- (2) अभिधा— लक्षणाच
- (3) सारोपा—साध्यवसाना च
- (4) वाचको—लाक्षणिकः

119. सत्कार्यवादसिद्धान्तोऽस्ति—

- (1) सांख्यदर्शनस्य
- (2) न्यायदर्शनस्य
- (3) चार्वाकदर्शनस्य
- (4) बौद्धदर्शनस्य

120. "वाक्यं रसात्मकं काव्यम्" कस्य आचार्यस्य काव्य लक्षणम्?

- (1) कुन्तकाचार्यस्य
- (2) वामनाचार्यस्य
- (3) विश्वनाथाचार्यस्य
- (4) मम्मटाचार्यस्य

121. अधोलिखितेषु विकल्पेषु कः रक्षात्मकः क्रियाविधिः नास्ति?
- प्रतिगमनम्
 - प्रक्षेपणम्
 - साहचर्यम्
 - क्षतिपूर्तिम्
122. 1986 राष्ट्रिय-शिक्षा-नीति-निर्धारक प्रधानमन्त्री आसीत् -
- विश्वनाथ प्रताप सिंहः
 - श्रीमति इन्दिरा गांधी
 - राजीव गांधी
 - लालबहादुर शास्त्री
123. शिक्षणमनोविज्ञानस्योपरि आधारितः पद्धतिरस्ति-
- प्रयोजना-पद्धतिः
 - क्रीडा-पद्धतिः
 - डॉल्टन-पद्धतिः
 - उपर्युक्ताः सर्वे
124. "1986 राष्ट्रियशिक्षानीतौ विद्यालयाः उद्घाटिताः"
इत्यत्र रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत-
- केन्द्रीयः
 - राज्यीयाः
 - संस्कृतविद्यालयाः
 - नवोदयविद्यालयाः
125. भारतीय शिक्षाऽऽयोगस्य नाम अस्ति-
- कोठारी - आयोगः
 - हण्टर - आयोगः
 - राष्ट्रियशिक्षानीतिः
 - शिक्षाऽऽयोगः
126. "परस्पर सूचनाओं तथा विचारों का आदान-प्रदान करना" इति परिभाषा शिक्षायाः क्षेत्रे कस्य तकनीकशब्दाय (Technological word) कृते प्रदत्ता?
- क्रियान्वयन् (Execution)
 - सम्प्रेषणम् (Communication)
 - चिन्तनम् (Reflection)
 - वर्णनम् (Recitation)
127. सम्प्रेषणस्य विशेषताः सन्ति - (Characteristics of Communication)
- विचार-विमर्शः, विचार-विनिमयश्च
 - सूचनाप्रदानम्, समन्वयस्थापनञ्च
 - निर्देश-आदेश-संदेशप्रेषणम्
 - उपर्युक्ताः सर्वाः

128. “कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन” इति कृते आँग्लभाषायां कः शब्दसमूहः प्रयुज्यते—
 (1) Computer Assisted Instruction (CAI)
 (2) Computer Assistance Programming (CAP)
 (3) Computer Learning Programme (CLP)
 (4) उपर्युक्ताः सर्वे (All Above)
129. “कम्प्यूटर सहायित अधिगम” इति कृते आँग्लभाषायां कः शब्दसमूहः प्रयुज्यते—
 (1) Computer Authority Programme (CAP)
 (2) Computer Audio Programme (CAP)
 (3) Computer Assisted Learning (CAL)
 (4) न कोऽपि (No one)
130. शिक्षणकार्ये अत्याधुनिकम् अनुदेशनमाध्यमं वर्तते—
 (1) श्यामपट्टः
 (2) चित्रपट्टः
 (3) चलचित्रम्
 (4) (कम्प्यूटर) संगणकम्
131. “केन्द्रीय-विश्लेषक-इकाई (CPU), अदा युक्तियाँ (INPUT-Devices), प्रदा युक्तियाँ (OUTPUT-Devices)” इत्येत्प्रकारेण कस्य शिक्षणसाधनस्य संरचनाया अंगानि प्रदर्शितानि—
 (1) प्रोजेक्टरस्य
 (2) रेडियोयन्त्रस्य
 (3) दूरदर्शनस्य
 (4) कम्प्यूटरयन्त्रस्य
132. शैक्षिकतकनीकी (Educational Technology) अधोक्षेपेषु पक्षेषु विभाज्यते—
 (1) ज्ञानसंचयः (Preservation of Knowledge)
 (2) ज्ञानप्रसारः (Transmission of Knowledge)
 (3) ज्ञानविकासः (Advancement of Knowledge)
 (4) उपर्युक्ताः सर्वे (All)
133. शिक्षणे प्रयुक्ताः एते उपागमाः (टेप-रिकॉर्डर, जादुई लालटेन, चलचित्रम्, दूरदर्शनम् च) कीदृशा उपागमाः सन्ति?
 (1) तकनीकी-उपागमाः
 (2) हार्डवेयर-उपागमाः
 (3) सॉफ्टवेयर-उपागमाः
 (4) मानक-उपागमाः
134. “दृश्य सामग्री-(Visual Aids), ग्राफ-मॉडल-फ्लेनलबोर्ड-बुलेटिनबोर्ड” इत्येते शिक्षणतकनीक्यां प्रयुक्ता उपागमाः केन नाम्ना कथ्यन्ते?
 (1) सॉफ्टवेयर-उपागमाः
 (2) हार्डवेयर-उपागमाः
 (3) सिद्धान्त-उपागमाः
 (4) न कोऽपि
135. सॉफ्टवेयर उदाहरण न अस्ति—
 (1) माइक्रोसॉफ्ट वर्ड
 (2) माइक्रोसॉफ्ट एक्सल
 (3) माइक्रोसॉफ्ट पावर पाइंट
 (4) पेनड्राइव

136. दूरस्थशिक्षायाः (Correspondence Education) प्रमुखानि अंगानि सन्ति—

- (1) मुद्रित सामग्री
- (2) दृश्य-श्रव्य सामग्री
- (3) मुक्त विश्वविद्यालयाः
- (4) उपर्युक्तानि सर्वाणि

137. समीचीनां तालिकां चिनुत—

- | | |
|---------------------|-----------------------------------|
| (a) अधिगमम् | (I) अधिगमं सरली करोति |
| (b) शिक्षणम् | (II) नियोजितानुभवान् सम्मेलयति |
| (c) पाठ्यक्रमः | (III) अनुभवानां क्रियान्वितिकरणम् |
| (d) शैक्षिक-आयोजनम् | (IV) व्यवहारं परिवर्तयति |

- (1) (a)-(IV), (b)-(II), (c)-(I), (d)-(III)
- (2) (a)-(II), (b)-(III), (c)-(IV), (d)-(I)
- (3) (a)-(IV), (b)-(I), (c)-(II), (d)-(III)
- (4) (a)-(I), (b)-(III), (c)-(IV), (d)-(II)

138. मस्तिष्क विप्लवविधिः (Brain Storming) एकः विधिरस्ति—

- (1) समस्याकेन्द्रितविधिः
- (2) सरलीकरणविधिः
- (3) समाधानविधिः
- (4) कार्यविधिः

139. 'राष्ट्रीयपाठ्यचर्यायाः रूपरेखा' इत्यस्य लेखनं कया संस्थया माध्यमेन अभवत्?

- (1) एन. सी. टी. ई.
- (2) एन. सी. ई. आर. टी.
- (3) यू. जी. सी.
- (4) ए. आई. सी. टी. ई.

140. शिक्षणप्रतिमानस्य तत्त्वानि सन्ति—

- (1) शिक्षणोद्देश्यम्
- (2) शिक्षणसंरचना
- (3) मूल्यांकनप्रणाली
- (4) उपर्युक्तानि सर्वाणि

141. 'कम्यूनिस' शब्दस्य उत्पत्तिः कया भाषया अभवत्?

- (1) लैटिन
- (2) ग्रीक
- (3) यूनानी
- (4) आंग्ल

142. भाषा प्रयोगशाला कीदृशं शिक्षणोपकरणम् अस्ति?

- (1) दृश्योपकरणम्
- (2) श्रव्योपकरणम्
- (3) दृश्यश्रव्योपकरणम्
- (4) कोऽपि नास्ति

143. अधिगमप्रक्रियायां दृश्य-श्रव्योपकरणानां विशेषभूमिका अस्ति—
 (1) ब्लेयरस्य
 (2) यूनिसेफस्य
 (3) सिम्पसनस्य
 (4) न कस्यापि
144. अधोलिखितविकल्पेषु व्यावहारिकमनोविज्ञानस्य क्षेत्रे कस्य विकल्पस्य गणना न भवति?
 (1) शिक्षामनोविज्ञानस्य
 (2) नैदानिकमनोविज्ञानस्य
 (3) प्रयोगात्मकमनोविज्ञानस्य
 (4) वैधिकमनोविज्ञानस्य
145. निर्देशनपरामर्शयोः च सर्वाधिकः आवश्यकता कस्य आयुवर्गस्य बालकस्य कृते सर्वाधिकं भवति?
 (1) शैशवावस्थायाः बालकस्य कृते।
 (2) बाल्यावस्थायाः बालकस्य कृते।
 (3) किशोरावस्थायाः बालकस्य कृते।
 (4) प्रौढावस्थायाः युवकस्य कृते।
146. प्रसिद्धः मनोवैज्ञानिकः ई.एल. थोर्नडाइक महोदयेन कस्मिन् वर्षे अधिगमस्य सिद्धान्तस्य अन्वेषणं कृतम्?
 (1) 1895
 (2) 1898
 (3) 1904
 (4) 1877
147. अनुकूलितानुक्रियायाः सिद्धान्तस्य प्रवर्तकः कः आसीत्?
 (1) ई. एल. थोर्नडाइक
 (2) आई. पी. पावलव
 (3) कोहलर
 (4) बी. एफ. स्कीनर
148. 'निर्मितवाद' (Constructivism) सम्प्रत्ययस्य मार्गदर्शक-दस्तावेजोऽयं अस्ति—
 (1) एन.सी.एफ. — 2005
 (2) एन.सी.एफ.टी.ई. — 2009
 (3) एन.सी.एफ. — 1986
 (4) एन.सी.ई. — 2005
149. गेस्टाल्टाधारितसम्प्रदायान्तर्गते कस्य योगदानं नासीत्?
 (1) वर्दीमर
 (2) कोफ्का
 (3) कर्ट लेविन
 (4) कोहलर
150. टरमैन (Terman) मतानुसारेण सामान्यबुद्धेः बालकस्य बुद्धिः कदा पर्यन्तं भवति?
 (1) 100-120 पर्यन्तम्
 (2) 90-110 पर्यन्तम्
 (3) 80-100 पर्यन्तम्
 (4) 70-90 पर्यन्तम्

Space for Rough Work

I

